भारत सरकार

इस्पात मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1279

13 फरवरी, 2023 को उत्तर के लिए

सार्वजनिक क्षेत्र की इस्पात विनिर्माण संबंधी इकाइयां

1279. श्री अब्दुल वहाब:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश भर में सार्वजनिक क्षेत्र की कितनी इस्पात विनिर्माण संबंधी इकाइयां कार्य कर रही हैं;
(ख) इन इस्पात संयंत्रों के कार्यबल में कितने ठेका श्रमिक हैं;
(ग) कितनी इस्पात इकाइयों ने विगत पांच वर्षों में अपना प्रचालन बंद कर दिया है अथवा अगले दो वर्षों में अपना प्रचालन बंद कर देंगी;
(घ) क्या ऐसी इकाइयों के बंद होने के बाद सार्वजनिक क्षेत्र की इस्पात इकाइयों में कार्यरत ठेका श्रमिकों को किसी प्रकार का मुआवजा दिया जाएगा;
(ङ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(च) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री **(श्री फग्गन सिंह कुलस्ते)**

(क): देश में सार्वजनिक क्षेत्र की दो इस्पात विनिर्माण इकाइयाँ कार्यरत हैं, नामतः स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) तथा राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल)।

(ख): दिनांक 01.02.2023 तक की स्थिति के अनुसार, सेल संयंत्रों/इकाइयों में संविदात्मक कार्मिकों की संख्या 65,898 तथा आरआईएनएल में 16,368 है।

(ग): विगत 5 वर्षों में किसी भी इस्पात इकाई ने अपना प्रचालन बंद नहीं किया है। तथापि, चालू वित्त वर्ष में सेल के संयंत्र/इकाई विश्वेश्वरैया लौह और इस्पात संयंत्र (वीआईएसपी) को बंद करने की प्रक्रिया शुरू की गई है।

(घ)से(च): सार्वजनिक क्षेत्र की इकाई को बंद करने की स्थिति में संविदात्मक कार्मिकों को प्रयोज्य संविधियों तथा उनके तहत बने नियमों के प्रावधानों के अनुसार मुआवजा दिया जाता है।

****